J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 15.06.2020

THE TRIBUNE

NEW COURSES AT JC BOSE VARSITY

Faridabad: The JC Bose University of Science and Technology, YMCA, has constituted a new teaching Department of Life Sciences and has decided to introduce four new postgraduation-level science courses in bio-technology, microbiology, botany and zoology from the coming academic session. The MSc degree courses will be started with the intake of 20 seats each. The decision to this effect has been taken into account of the growing importance of these subjects and the career options in it. Besides, the university has also decided to start an inter-disciplinary two-year MTech degree course in Energy and Environmental Engineering with intake of 18 seats. According to VC Dinesh Kumar, increasing pollution at global level and the impending threat of global warming has given rise to importance of environmental engineers. Thus, opportunities in this field have increased tremendously and more professionals are getting recruited in mining, geological, chemical and petroleum sectors.

The Tribune Mon, 15 June 2020
https://epaper.tribunei

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 15.06.2020

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय में नए सत्र से पर्यावरण और जीव विज्ञान के नए पाठ्यक्रम

बायो-टेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी और जूलॉजी में दो वर्षीय एमएससी पाठ्यक्रम

एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में इंटर-डिसिप्लिनरी एमटेक पाठ्यक्रम

नए पाठ्यक्रमों से विज्ञान के विद्यार्थियों को मिलेंगे कैरियर के ज्यादा विकल्प

फरीदाबाद, 14 जून(पूजा शर्मा) : जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद आगामी शैक्षणिक सत्र से पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) स्तर पर विज्ञान विषय के चार नये पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय द्वारा नये जीव विज्ञान विभाग का गठन किया गया है तथा विभाग के अंतर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र से बायो-टेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी और जूलॉजी में चार नए विज्ञान पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे है। सभी दो वर्षीय एमएससी डिग्री कोर्स 20-20 सीटों के साथ शुरू किये जा रहे है। इस आशय का निर्णय इन विषयों के बढ़ते महत्व और इसमें कैरियर के विकल्पों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में इंटर-डिसिप्लिनरी दो वर्षीय एमटेक डिग्री कोर्स भी शुरू करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के खतरे ने पर्यावरण इंजीनियरों के महत्व को बढ़ा दिया है। इस प्रकार, एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में निरंतर वृद्धि हुई है। खनन, भूवैज्ञानिक, रासायनिक और पेट्रोलियम क्षेत्रों में अधिक से अधिक प्रोफेशल्स की आवश्यकता है। साथ ही, सतत विकास की दिशा में काम कर रही सरकारी एजेंसियों तथा विभागों के साथ-साथ अनुसंधान क्षेत्र में पर्यावरण इंजीनियरों के लिए रोजगार की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। इस प्रकार, एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में इंटर-डिसिप्लिनरी एमटेक डिग्री कोर्स को क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर विकल्पों को ध्यान में रखते हुए शुरू किया जा रहा है। इसी तरह, जैव-प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी का प्रभाव कई क्षेत्रों में महसूस किया जा रहा है, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, पर्यावरण, कृषि, वैज्ञानिक, स्वास्थ्य और औद्योगिक अनुप्रयोग शामिल हैं। कोविड-19 महामारी के बाद पर्यावरण, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अधिक शोध कार्य की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस प्रकार, नए पाठ्यक्रम को शामिल करने के साथ विश्वविद्यालय का उद्देश्य रोजगार के संभावित क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठाना तथा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कुशल कार्यबल उपलब्ध करवाना है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नये पाठ्यक्रमों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यकता अनुसार शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Mon,15 June 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 4

NEWS CLIPPING: 15.06.2020

THE PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय में नये सत्र से पर्यावरण और जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आगामी शैक्षणिक सत्र से पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) स्तर पर विज्ञान विषय के चार नये पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय द्वारा नये जीव विज्ञान विभाग का गठन किया गया है तथा विभाग के अंतर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र से बायो-टेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी और जूलॉजी में चार नए विज्ञान पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे है। सभी दो वर्षीय एमएससी डिग्री कोर्स 20-20 सीटों के साथ शुरू किये जा रहे है।

इस आशय का निर्णय इन विषयों के बढ़ते महत्व और इसमें कैरियर के विकल्पों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग में इंटर-डिसिप्लिनरी दो वर्षीय एमटेक डिग्री कोर्स भी शुरू करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हहुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के खतरे ने पर्यावरण इंजीनियरों के महत्व को बढ़ा दिया है। इस प्रकार, एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में निरंतर वृद्धि हुई है।

NEWS CLIPPING: 15.06.2020

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में नए सत्र से पर्यावरण व जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम शुरू होंगे

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र से पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) स्तर पर विज्ञान विषय के चार नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। आगामी सत्र से बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी और जूलॉजी में चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। सभी दो वर्षीय एमएससी डिग्री कोर्स 20-20 सीटों के साथ शुरू किए जाएंगे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के अनुसार वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के खतरे ने पर्यावरण इंजीनियरों के महत्व को बढ़ा दिया है। इस प्रकार एनर्जी और एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में निरंतर वृद्धि हुई है।

NEWS CLIPPING: 15.06.2020

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए जुलाई में कराएगा परीक्षा, जल्द जारी होगी डेटशीट

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को डिग्री पूरी करने का अवसर देते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों तथा संबद्ध कालेजों के सभी पाठ्यक्रमों की अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं जुलाई के पहले सप्ताह में कराने का निर्णय लिया है। परीक्षाओं की डेटशीट जल्द जारी की जाएगी। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि यह निर्णय विद्यार्थियों के व्यापक हितों में उनके भावी कैरियर को ध्यान में रखते हुए लिया गया है ताकि विद्यार्थियों को डिग्री पूरी करने में किसी तरह की देरी न हो। कुलपति के अनुसार अन्य सभी पाठ्यक्रमों की मध्यवर्ती सेमेस्टर की परीक्षाओं के आयोजन का निर्णय मौजूदा परिस्थितियों तथा राज्य सरकार के दिशा निर्देशों की समीक्षा के बाद जुलाई के पहले सप्ताह में लिया जाएगा। उन्होंने बताया ऑनलाइन परीक्षाएं ऐसे विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य नहीं हैं, जो वर्तमान परिस्थितियों और इंटरनेट कनेक्टिविटी, वेब सक्षम कंप्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट की अनुपलब्धता के कारण परीक्षा देने में असक्षम है। ऐसे विद्यार्थी जो परीक्षा देने के इच्छुक हैं, लेकिन उनके पास इंटरनेट कनेक्टिविटी, वेब सक्षम कंप्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट नहीं है, उन्हें विश्वविद्यालय परिसर या अपने संबंधित संस्थानों में आकर ऑनलाइन परीक्षा देने का विकल्प होगा।

NEWS CLIPPING: 15.06.2020

DAINIK JAGRAN

जुलाई में अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विवि ने संबद्ध कालेजों के सभी पाठ्यक्रमों की अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं जुलाई के पहले सप्ताह में आयोजित करने का निर्णय लिया है। परीक्षाओं की डेटशीट जल्द जारी की जाएगी। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि छात्रों के व्यापक हितों में उनके करियर को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अन्य सभी पाठ्यक्रमों की मध्यवर्ती सेमेस्टर की परीक्षाओं के आयोजन का निर्णय मौजूदा परिस्थितियों तथा राज्य सरकार के दिशानिर्देशों की समीक्षा के बाद जुलाई के पहले सप्ताह में लिया जाएगा। ऑनलाइन परीक्षाएं ऐसे छात्रों के लिए अनिवार्य नहीं हैं, जो वर्तमान परिस्थितियों और इंटरनेट कनेक्टिविटी, वेब सक्षम कंप्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट की अनुपलब्धता के कारण परीक्षा देने में असक्षम है। ऐसे छात्रों के लिए विश्वविद्यालय या अपने संबंधित संस्थानों में आकर ऑनलाइन परीक्षा देने का विकल्प होगा। छात्रों को अपने संस्थान को पूर्व सूचना देनी होगी। आनलाइन परीक्षा देने के इच्छुक छात्रों को आनलाइन पंजीकरण भी करवाना होगा।